

अध्याय 04

शब्द विवेक (शब्द प्रयोग में सूक्ष्म अन्तर)

समान प्रतीत होने वाले शब्द

कुछ शब्द ऐसे होते हैं, जो समान अर्थ देते हुए प्रतीत होते हैं, उनके अर्थ में सूक्ष्म अन्तर होता है। ये शब्द पर्यायवाची जैसे लगते हैं।

शब्द	अर्थ
अपराध	कानून का उल्लंघन
पाप	सामाजिक नियमों की अवहेलना
बेटी	अपनी पुत्री
लड़की	कोई भी लड़की
पुत्र	अपना बेटा
लड़का	कोई भी लड़का
उपहास	दूसरों का मजाक उड़ाना
परिहास	हँसी-मजाक करना
अर्पण	देना, सौंपना
दान	वापस न लेने के भाव से देना
अवस्था	पैदा होने से अब तक की आयु
आयु	पूरे जीवन की अवधि
अनिवार्य	जिसे मना न किया जा सके
आवश्यक	महत्त्वपूर्ण
अनुमति	किसी काम की सहमति
आदेश	वैधानिक अधिकार के साथ कहना
अनुपम	जिसकी उपमा न हो
अद्वितीय	जिसके समान दूसरा न हो

प्रस्तुत अध्याय सूक्ष्म अन्तर रखने वाले शब्दों; जैसे- समान प्रतीत होने वाले शब्द, श्रुति सम भिन्नार्थक शब्द आदि पर आधारित है।

शब्द	अर्थ
लोभ	पाने की इच्छा
तृष्णा	जरूरत से ज्यादा पाने की इच्छा
अस्त्र	जिसे फेंककर मारा जाए
शस्त्र	जिसे पकड़कर मारा जाए
अज्ञ	जिसे कुछ भी ज्ञान न हो
मूर्ख	समझाने पर भी न समझने वाला
पुरस्कार	अच्छे कार्य का इनाम
पारितोषिक	प्रतियोगिता में जीता हुआ इनाम
विवेक	अच्छाई-बुराई की पहचान
ज्ञान	किसी विषय की जानकारी
दुर्गम	जहाँ पहुँचना कठिन हो
अगम	जहाँ पहुँचना सम्भव हो
प्रेम	सभी के प्रति
स्नेह	छोटों के प्रति
अमूल्य	जिसका मूल्य न हो
बहुमूल्य	बहुत कीमती
अनुरोध	सामान्य लोगों से आग्रह
प्रार्थना	ईश्वर से अनुरोध
दुराचार	बुरा आचरण
अत्याचार	जुल्म करना
कष्ट	शारीरिक कष्ट (पीड़ा)
क्लेश	मानसिक पीड़ा
छाया	वृक्ष या निर्जीव वस्तु की छाया
परछाई	सजीव वस्तु (प्राणी) की छाया
अतिरिक्त	इच्छा से अधिक
अत्यन्त	बहुत अधिक
अहंकार	खुद को बड़ा समझने का झूठा घमण्ड
अभिमान	अपने को बड़ा, दूसरों को हीन समझना
सुख	लाभ होने पर खुश होना
आनन्द	सुख-दुःख से ऊपर उठना
अभिनन्दन	बड़े व्यक्ति का स्वागत
स्वागत	पारम्परिक विधि से सत्कार करना

श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द

(शब्द-युग्म) कुछ शब्द उच्चारण और सुनने में एक जैसे लगते हैं, परन्तु उनके अर्थ में पर्याप्त भिन्नता होती है, ऐसे शब्दों को श्रुतिसम भिन्नार्थक या समरूपी भिन्नार्थक शब्द कहा जाता है।

उदाहरणार्थ अन्न शब्द का अर्थ अनाज है, वहीं इससे मिलते-जुलते शब्द अन्य का अर्थ है, दूसरा।

शब्द	अर्थ	वाक्य-प्रयोग
अचल	पर्वत	यह अचल बहुत ऊँचा है।
अचला	पृथ्वी	अचला हमारा पोषण करती है।
अनिल	हवा	अनिल के वेग से दीपक बुझ गया।
अनल	आग	अनल से अनेक झोंपड़ियाँ जल गईं।
अचार	आम, नींबू आदि से बना	माँ के हाथ से बना यह अचार स्वादिष्ट है।
आचार	आचरण	गाँधीजी का आचार-विचार उच्च कोटि का था।
अस्त्र	हथियार	आतंकियों को देखते ही जवानों ने अस्त्र उठा लिए।
अस्तर	खोल, कवर	इस रजाई का अस्तर अब बदल देना चाहिए।
अंश	हिस्सा	मजदूरों ने लाभ में अपना अंश माँगा।
अंस	कन्धा	जवान के अंस को छूती हुई गोली निकल गई।
अशक्त	कमजोर	बुढ़ापे में लोग अशक्त हो जाते हैं।
आसक्त	मोहित	खिले फूल को देख भ्रमर आसक्त हो गया।
अवलम्ब	सहारा	ईश्वर ही गरीबों का अवलम्ब है।
अविलम्ब	शीघ्र	इस मरीज को अविलम्ब दवा देनी चाहिए।
अपेक्षा	तुलना में	राम की अपेक्षा श्याम लम्बा है।
उपेक्षा	निरादर	हमें गरीबों की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए।
ओर	दिशा	पूरब की ओर से सूरज निकलता है।
और	तथा	सुमन और पूनम दोनों ही यहाँ आएँगी।
उपयुक्त	ठीक	मेरे लिए यही खाना उपयुक्त रहेगा।
उपर्युक्त	ऊपर कहा गया	उपर्युक्त वाक्य का अर्थ समझने का प्रयास करो।
कलि	कलियुग	इस कलि में न्याय-अन्याय का भेद मिट गया है।
कली	फूल की पूर्वावस्था	गुलाब के पौधे पर दो कलियाँ आ गई हैं।
कपट	छल	हमें किसी से भी कपट नहीं करना चाहिए।
कपाट	दरवाजा	भिखारी को देखते ही उसने कपाट बन्द कर लिए।
कुल	सारा	मेरे पास कुल अस्सी रुपए हैं।
कूल	किनारा	नदी के कूल पर सारस बैठे थे।
कल	आने वाला/बीता दिन	कल आसमान में बादल धिरे थे।
काल	समय; मौत	काल के सामने सब विवश हो जाते हैं।
क्रान्ति	चमक	रमा के चेहरे पर क्रान्ति है।
क्रान्ति	परिवर्तन	बिजली आने से गाँवों में क्रान्ति आ गई है।

शब्द	अर्थ	वाक्य-प्रयोग
कड़ाई कढ़ाई	कठोरता बेल बूटे बनाना	पुलिस ने चोर से कड़ाई से पूछताछ की। रचना ने कढ़ाई वाली साड़ी खरीदी।
ग्रह	सूर्य, तारे आदि	सौर मण्डल में नौ ग्रह हैं।
गृह	घर	उदय को आज गृहकार्य नहीं मिला है।
गुर	उपाय, कौशल	सपेरे ने अपने गुर से साँप को पकड़ लिया।
गुरु	अध्यापक	गुरु ही हमें विविध प्रकार का ज्ञान देते हैं।
चर	सेवक	वह सारा काम चर से कराता है।
चार	संख्या	दो और दो चार होते हैं।
चिर	लम्बा, दीर्घ	वह मेरा चिर मित्र है।
चीर	वस्त्र	सम्राट हर्ष गरीबों को चीर दिया करता था।
छत्र	छाता	राजा के आस-पास लोग छत्र लेकर चल रहे थे।
छात्र	विद्यार्थी	छात्र को निरन्तर परिश्रम करना चाहिए।
तन	शरीर	गर्मी के कारण तन-मन व्याकुल हो रहा था।
तान	धुन	मुरली की तान सुनकर गोपियाँ मदहोश हो जाती थीं।
तरंग	लहर	समुद्र में भयंकर तरंगें उठ रही थीं।
तुरंग	घोड़ा	यह तुरंग उत्तम प्रजाति का है।
थल	जमीन	सूर्य उगते ही जल-थल सुशोभित हो गया।
थाल	बर्तन, थाली	थाल में तरह-तरह के फल रखे थे।
दिन	दिवस	सप्ताह में सात दिन होते हैं।
दीन	गरीब	दीन उपेक्षित जीवन जीने को विवश रहते हैं।

शब्द	अर्थ	वाक्य-प्रयोग
दवा दावा	औषधि हक जताना	यहाँ गरीबों को मुफ्त दवाएँ दी जाती हैं। पड़ोसी देश पाकिस्तान, कश्मीर पर अपना दावा करता है।
नीर नीड़	पानी घोंसला	पेड़ के कटे तने से नीर टपक रहा था। पक्षी नीड़ की ओर लौट रहे थे।
पवन पावन	हवा पवित्र	पवन के बिना जीना असम्भव है। गंगा पावन नदी है।
प्राचीन प्राचीर	पुराना दीवार	यह किला बहुत ही प्राचीन है। लालकिले की प्राचीर बहुत ही मजबूत है।
प्रमाण प्रणाम	सबूत नमस्ते	चोरों ने सारे प्रमाण नष्ट कर दिए थे। प्रातः काल माता-पिता को प्रणाम करना चाहिए।
मूल मूल्य	जड़ दाम	मूल कटने से पौधा मुरझा गया। इस पुस्तक का दाम एक सौ पचास रुपए है।
योग योग्य	जोड़ लायक	दो और दो का योग चार होता है। राधिका इन सबमें योग्य है।
सुत सूत	बेटा धागा	हनुमान को पवन सुत भी कहा जाता है। यह आसन सूत का बना है।
सलिल	पानी	हिमालय से निकलने वाली नदियाँ सलिल से भरी रहती हैं।
सलिला	नदी	ऋषि प्रातःकाल सलिला में नहाते थे।
समान	बराबर	कबीर, राम और रहीम को समान मानते थे।
सामान	वस्तुएँ	मुझे रसोई का सामान खरीदना है।

अभ्यास प्रश्न

निर्देश प्रश्न संख्या (1-15) में दिए गए वाक्यों में उचित विकल्प की सहायता से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

- यह कार्य है। इसे मना नहीं किया जा सकता
(a) आवश्यक (b) जरूरी
(c) अनिवार्य (d) अवश्य
- राहुल के साथ मत करो। वह जल्दी ही गम्भीर हो जाता है
(a) उपहास (b) परिहास
(c) हास (d) छेड़-छाड़
- आज आपने अच्छा कार्य किया, इसलिए तुम्हें दिया जाएगा।
(a) धन (b) पारितोषिक
(c) पुरस्कार (d) दण्ड

- उसे अपने आपका विधायक होने का है
(a) अभिमान (b) अहंकार (c) मान (d) सम्मान
- आए हुए मेहमानों का करो
(a) अभिनन्दन (b) आदर
(c) स्वागत (d) उपहास
- प्रभु से करो कि पिताजी जल्दी स्वस्थ हो जाएँ
(a) आराधना (b) अनुरोध
(c) आग्रह (d) प्रार्थना
- माँ का प्यार होता है
(a) अमूल्य
(b) बहुमूल्य
(c) मूल्यवान
(d) कीमती

8. तुम हो। समझाने पर भी नहीं समझते
(a) अपढ़ (b) अज्ञ
(c) मूर्ख (d) निरक्षर
9. उसके पास ऐसा है, जिसे वह फेंककर मार सकता है
(a) शस्त्र (b) अस्त्र (c) हथियार (d) बन्दूक
10. तुम्हें इस कार्य की है
(a) आज्ञा (b) आदेश
(c) अधिकार (d) अनुमति
11. उस वृक्ष की बहुत घनी है
(a) परछाई (b) छाया (c) पत्तियाँ (d) शाखाएँ
12. मैं अपनी छोटी बहन से रखता हूँ
(a) प्रेम (b) प्यार (c) स्नेह (d) क्रोध
13. यह राम की है
(a) लड़की (b) लड़का (c) पुत्र (d) पुत्री
14. वह है। उसने कानून का उल्लंघन किया है
(a) पापी (b) अपराधी
(c) अत्याचारी (d) आलसी
15. भगवान बुद्ध ने कहा था कि ही दुःखों का कारण है
(a) लोभ (b) तृष्णा
(c) लालच (d) ईर्ष्या

निर्देश (प्रश्न संख्या 16-30) में दिए गए शब्द-युग्मों के उचित अर्थ के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए

16. अनिल-अनल
(a) हवा-आग (b) आग-हवा
(c) जल-आग (d) आग-जल
17. अधम-अधर्म
(a) जय-पराजय (b) पराजय-जय
(c) नीच-पाप (d) पाप-नीच
18. इत्र-इतर
(a) सुगन्धि-दूसरा (b) दूसरा-सुगन्धि
(c) प्रथम-द्वितीय (d) दूसरा-पहला
19. कृपण-कृपाण
(a) व्यंग्य-कंजूस (b) कंजूस-व्यंग्य
(c) तलवार-कंजूस (d) कंजूस-तलवार

20. कुल-कूल
(a) किनारा-वंश (b) वंश-किनारा
(c) वस्त्र-जल (d) जल-वस्त्र
21. कर्म-क्रम
(a) काम-दाम (b) दाम-काम
(c) काम-चरण (d) चरण-काम
22. कृत-क्रीत
(a) करना-भरना (b) भरना-करना
(c) किया हुआ-खरीदा हुआ (d) खरीदा हुआ-किया हुआ
23. अश्व-अश्म
(a) घोड़ा-शिकारी (b) घोड़ा-पत्थर
(c) घोड़ा-कोड़ा (d) रचना-यश
24. अलि-अली
(a) फूल-फल (b) धूल-फूल
(c) भौरा-सखी (d) नदी-सागर
25. शम-सम
(a) वन-शिव (b) लय-विभाजन
(c) बाण-बराबर (d) शान्ति-बराबर
26. स्वर्ण-सवर्ण
(a) सोना-चाँदी (b) सोना-उच्च जाति
(c) सखा-सखी (d) उच्च जाति-नीच जाति
27. सर-शर
(a) तालाब-बाण (b) पानी-तालाब
(c) सिर-बाण (d) बाण-तालाब
28. लक्ष्य-लक्ष
(a) उद्देश्य-लाख (b) गिनती-विनती
(c) लाख-उद्देश्य (d) लाख-करोड़
29. विपिन -विपन्न
(a) वन-गाँव (b) शहर-गाँव
(c) गाँव-शहर (d) वन-विपत्तिग्रस्त
30. भव्य-भव
(a) संसार-शानदार (b) यश-अपयश
(c) शानदार-संसार (d) लोक-परलोक

उत्तरमाला

1.	(c)	2.	(a)	3.	(c)	4.	(b)	5.	(c)	6.	(d)	7.	(a)	8.	(c)	9.	(b)	10.	(d)
11.	(b)	12.	(c)	13.	(d)	14.	(b)	15.	(b)	16.	(a)	17.	(c)	18.	(a)	19.	(d)	20.	(b)
21.	(c)	22.	(c)	23.	(b)	24.	(c)	25.	(d)	26.	(b)	27.	(a)	28.	(a)	29.	(d)	30.	(c)